

डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, चमत्कार, सत्र 7, आध्यात्मिक क्षेत्र में यीशु के चमत्कार

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

हम अपना पाठ्यक्रम जारी रख रहे हैं, चमत्कारी और यीशु के चमत्कार। हमने चमत्कारों पर चार व्याख्यान देखे हैं, और यह अब यीशु के चमत्कारों पर तीसरा व्याख्यान है। हमने प्राकृतिक क्षेत्र में यीशु के चमत्कारों और मानवीय क्षेत्र में यीशु के चमत्कारों को देखा, और अब हम आत्मिक क्षेत्र में यीशु के चमत्कारों को देखते हैं।

चूँकि हम इस वाक्यांश का प्रयोग मानवीय क्षेत्र से अलग करने के लिए कर रहे हैं, इसलिए पिछली बातचीत में हम यहाँ मनुष्यों के अलावा अन्य आत्मिक प्राणियों का उल्लेख कर रहे हैं, इस मामले में, जिन्हें हम राक्षसी प्राणी कहते हैं। हमारे आधुनिक पश्चिमी दुनिया के अधिक धर्मनिरपेक्ष निवासियों के बीच, राक्षसों को आम तौर पर परियों की कहानियों और अंधविश्वास के दायरे में रखा जाता है। यह बाइबल का दृष्टिकोण नहीं है, और हमें 19वीं और 20वीं सदी के धार्मिक उदारवादियों के नेतृत्व का अनुसरण करने के लिए लुभाया नहीं जाना चाहिए, ताकि ईसाई धर्म से इनको हटाने का प्रयास किया जा सके।

यहाँ हमें आत्मिक प्राणियों पर बाइबिल की शिक्षा पर चर्चा करने के लिए जगह नहीं मिलेगी, लेकिन मैंने अपने पावरपॉइंट टॉक, एंजल्स एंड डेमन्स में इस पर थोड़ा-बहुत चर्चा की है, जो हमारी IBRI वेबसाइट www.ibri.org पर भी है। मैंने इस तरह के प्राणियों की गतिविधियों का पता लगाने की संभावना पर भी विचार किया है, हम कह सकते हैं कि, उस साइट पर एन्जिल्स का प्रमाण नामक एक अन्य टॉक में। आइए सबसे पहले मैथ्यू 8, मार्क 5 और ल्यूक 8 में पाए जाने वाले गदरेन राक्षसी लोगों पर नज़र डालें। हम मैथ्यू के अंश को देखने जा रहे हैं, जिसमें दो राक्षसी लोगों का उल्लेख है। जब वह, यीशु, गलील की झील के दूसरी ओर, गदरेनियों के क्षेत्र में पहुंचे, तो कब्रों से निकल रहे दो राक्षसी लोगों ने उनसे मुलाकात की।

वे इतने हिंसक थे कि कोई भी उस रास्ते से नहीं गुजर सकता था। "हे परमेश्वर के पुत्र, तुम हमसे क्या चाहते हो?" वे चिल्लाए। "क्या तुम नियत समय से पहले हमें यातना देने आए हो?" उनसे कुछ दूरी पर सूअरों का एक बड़ा झुंड चर रहा था।

दुष्टात्माओं ने यीशु से विनती की, "यदि तू हमें निकालता है, तो हमें सूअरों के झुंड में भेज दे!" उसने उनसे कहा, "जाओ!" इसलिए वे बाहर निकलकर सूअरों में चले गए, और पूरा झुंड ढलान से नीचे झील में जा गिरा और पानी में मर गया। सूअरों को चराने वाले भाग गए, नगर में गए, और यह सब बताया, जिसमें दुष्टात्माओं से ग्रस्त लोगों के साथ क्या हुआ था। तब पूरा नगर यीशु से मिलने के लिए निकला, और जब उन्होंने उसे देखा, तो उससे विनती की कि वह उनके क्षेत्र से चले जाए।" खैर, मत्ती के विवरण में हमें यही सब मिलता है, मार्क 5, 1-20, आदि में विस्तार से।

घटनाओं और अवसरों की ऐतिहासिकता तूफान के शांत होने के चमत्कार से निकटता से जुड़ी हुई है, जो तीनों ही सिनॉप्टिक्स में तुरंत बाद होता है। यीशु की गलीली सेवकाई अभी भी आरंभिक

अवस्था में है। यीशु और शिष्यों के जहाज से उतरते समय दुष्टात्माओं से पीड़ित लोगों से उनकी मुलाकात होती है।

लिए कई उदारवादी व्याख्याएँ हैं। यह अल्फ्रेड प्लमर की सूची है। पूरी कहानी एक मिथक है।

या तो यह उपचार ऐतिहासिक है, सूअरों का नहीं। या फिर, राक्षसों ने सूअरों को डरा दिया, जो पहाड़ी से नीचे भाग गए। सूअरों का डूबना एक दुर्घटना है जो लगभग उसी समय घटित हुई।

या फिर, राक्षसी लोग केवल पागल हैं। यीशु सूअरों के संबंध में उनका मज़ाक उड़ाते हैं, लेकिन कहानी को ऐतिहासिक माना जाता है। उदारवादी व्याख्याओं की यह एक बहुत बड़ी सूची है।

ऐतिहासिकता के लिए साक्ष्य। स्थान, दूसरी तरफ, कब्रें, खड़ी ढलान और यहां तक कि विभिन्न नाम, गदरा, गेरासा और गेरगेसा, जो वैसे, तीनों अंशों में से प्रत्येक में भिन्न रूप में आते हैं, का विवरण कुछ दिलचस्प है। हमने इस बारे में थोड़ी बात की, मुझे लगता है, हमारे सिनॉट्रिक गॉस्पेल कोर्स में, यह था, और बताया कि गदरा और गेरासा दो बड़े डेकापोलिस शहर हैं, और अब सबूत यह सुझाव देते हैं कि डेकापोलिस शहरों ने मछली पकड़ने के अधिकार और उस तरह की चीजों के लिए, यदि आप चाहें तो, किनारे के विभिन्न हिस्सों, गैलिली सागर को साझा किया।

तो, यह संभवतः उनमें से किसी एक पर हुआ होगा। और गेरासा एक छोटे से गाँव का नाम प्रतीत होता है जिसे अब कुरसी कहा जाता है, जो उत्तरी छोर पर है, वास्तव में गलील सागर के उत्तरी छोर से थोड़ा पूर्व में है। यीशु को दूर भेजने में लोगों की प्रतिक्रिया भी अच्छी समझ में आती है।

अगर आप कोई कहानी गढ़ रहे होते, तो शायद आप उन्हें इस बारे में उत्साहित कर देते। लेकिन वास्तव में, आपने उन्हें शायद चिंतित कर दिया है क्योंकि उन्होंने कुछ सूअर खो दिए हैं, हर एक। लेकिन एक व्यक्ति जो राक्षसों को नियंत्रित कर सकता है, वे चिल्लाना शुरू नहीं करेंगे और उससे उन्हें बहाल करने के लिए कहेंगे, सूअरों को बहाल करेंगे, क्योंकि वह राक्षसों को उनके अंदर भेज सकता है।

वे नहीं जानते। इसलिए, अपनी कहानी सबसे पहले गाँव में पहुँचाने के लिए दौड़ रहे सुअर चराने वालों की प्रतिक्रिया उस दिशा में बहुत ही चौंकाने वाली है। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया? खैर, सुअर प्रत्यक्षदर्शी हैं, और वे झील में भागते हैं।

जैसा कि मैंने कहा, सुअर चराने वाले भाग जाते हैं, शायद इसलिए कि वे पहले अपनी कहानी शहर में बता सकें। राक्षसी अब सामान्य हो गई है। बाकी लोग यह देखने आते हैं कि क्या हुआ है।

और प्रत्यक्षदर्शी, शिष्य और अन्य लोग समझाते हैं। भूतपूर्व दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति, हम इसे मार्क के समानांतर मार्ग में देखते हैं, यीशु के साथ जाना चाहता है। पुराने नियम की पृष्ठभूमि।

इसी तरह के चमत्कार? ज़्यादा नहीं। बुतपरस्त, रब्बीनिक और इंटरटेस्टामेंटल साहित्य में ज़्यादा। पुराने नियम में राक्षसों के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं है।

पुराने नियम से कुछ प्रमाण मिलते हैं कि बहुत से बुतपरस्त धर्मों के पीछे शैतानों का हाथ है। और हो सकता है कि शाऊल पर आई मुसीबतों के सिलसिले में हमें किसी तरह का शैतानी उत्पीड़न झेलना पड़ा हो, जब परमेश्वर ने उसकी जगह दाऊद को नियुक्त किया था, या फिर दाऊद का अभिषेक किया था। और शायद यह मानने का भी एक प्रमाण है कि मिस्र के जादूगरों और अन्य लोगों पर भी किसी तरह का शैतानी प्रभाव है।

ओस गिनीज ने अपनी एक किताब में एक दिलचस्प टिप्पणी की है। मुझे लगता है कि यह डस्ट ऑफ़ डेथ है, जिसे वे कैम्प फायर इफेक्ट कहते हैं। यह वह है जिसमें वे 60 के दशक से पश्चिमी संस्कृति में शैतानी प्रवृत्ति और उसके उदाहरणों में वृद्धि के सवाल से निपट रहे हैं। और गिनीज ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जैसा तब होता है जब आप किसी ऐसे निर्जन क्षेत्र में कैंपिंग कर रहे होते हैं जहाँ बहुत सारे जंगली जानवर होते हैं।

आप एक बड़ी आग जलाते हैं और जानवर उससे दूर रहते हैं। इसलिए, आप लेट जाते हैं और सो जाते हैं, और फिर देर रात, आग जल जाती है, और जंगली जानवर झाड़ियों से बाहर झांकना शुरू कर देते हैं और कुछ ताजा मांस या उस तरह की कोई चीज़ पाने की संभावना के बारे में सोचते हैं। और गिनीज का कहना है कि मूल रूप से 60 के दशक के बाद पश्चिम में यही हुआ है कि ईसाई धर्म, या यूँ कहें कि, इन धर्मनिरपेक्ष संस्कृतियों में से कई में जल गया है, और अब रहस्यवाद झाड़ियों से बाहर निकलकर वापस आने लगा है।

तो शायद यही हो रहा है कि यहाँ शैतानी गतिविधियों की बड़ी मात्रा के साथ जो हम रब्बीनिक और अंतर-नियम साहित्य में देखते हैं और खास तौर पर यीशु के समय के आसपास कि बुतपरस्ती के प्रभाव ने यहूदी स्थिति को प्रभावित किया है और यहाँ तक कि ये लोग यीशु के कार्य का विरोध करने के लिए झुंड में आ रहे हैं। हम नहीं जानते कि उन्हें इसके बारे में पहले से कितना पता था, लेकिन शैतान को कम से कम पता है कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है, इसलिए निश्चित रूप से जब बुद्धिमान पुरुष प्रकट होते हैं तो उसे कुछ पता होगा और आप हेरोदेस की गतिविधियों से देख सकते हैं कि उसने वास्तव में ऐसा किया था। पुराने नियम में आप इसी तरह के चमत्कारों में एक चीज़ देखते हैं, वह है ईश्वर द्वारा जानवरों पर नियंत्रण, लाबान की भेड़ें, उनका प्रजनन कैसे हुआ, विपत्तियाँ, बटेर, बालाम का गधा, गायेँ सन्दूक खींचती हैं, एलिय्याह को खिलाने वाले कौवे, एलिय्याह के पीछे पड़े गुंडों को पीटते हुए भालू और दानिय्येल की माँद में शेर।

शैतान द्वारा जानवरों पर नियंत्रण, साँप और बगीचा, मानव पशु, सबाई और कसदियों और अय्यूब, शैतानी प्रभाव, शमूएल 16 के लिए शाऊल, 1 राजा 22-22 में झूठे भविष्यद्वक्ता जहाँ एक झूठी आत्मा परमेश्वर की सलाह से आती है और अहाब को गिलाद के रामोत में उसकी मृत्यु के लिए लुभाती है। पुराने नियम में शैतान के बारे में बहुत कम लिखा है। 1 इतिहास 21-1, उसने दाऊद को जनगणना करने के लिए उकसाया।

कार्य-कारण पर एक दिलचस्प अंश। इस पर विस्तार से चर्चा करने के लिए यह सही जगह नहीं है। मेरे पास कार्य-कारण पर एक पावरपॉइंट है जो हमारी वेबसाइट पर भी है।

हमारी वेबसाइट के लिए एक छोटा सा विज्ञापन यहाँ है। यह हमें दिखाता है कि एक अर्थ में, भगवान ने ऐसा किया, एक अर्थ में, शैतान ने ऐसा किया; जाहिर है, एक अर्थ में, दाऊद ने ऐसा किया, और दूसरे अर्थ में, दाऊद ने कभी बाहर जाकर दरवाजे नहीं खटखटाए। उसके अधीनस्थों ने ऐसा किया।

मेरा मानना है कि मानव जाति में मुक्ति की कहानी ईश्वर द्वारा लिखी गई है। इसलिए जो कुछ भी होता है, वह एक स्तर पर ईश्वर द्वारा किया जाता है। लेकिन कहानी में सभी प्रकार के पात्र, यीशु को छोड़कर, वास्तव में, आदम और हव्वा के पतन के बाद पापी हैं, सभी कार्य कर रहे हैं, और एक बहुत ही महत्वपूर्ण अर्थ में, वे अपने नैतिक विचारों और इस तरह के आधार पर निर्णय ले रहे हैं, लेकिन दूसरे अर्थ में वे वही कर रहे हैं जो ईश्वर ने कहानी में लिखा है, इसलिए मुझे लगता है कि हम इसे यहाँ भी देखते हैं।

अय्यूब 1-2, शैतान अय्यूब की निंदा करता है। भजन 109:6 कहता है, न्याय के भजनों में से एक, यदि आप चाहें, तो शैतान को उसके दाहिने हाथ खड़ा होने दें। शैतान यहूदा पर विपत्ति लाने जा रहा है; वास्तव में, ऐसा लगता है कि यह उस अंश की पूर्ति है।

जकर्याह 3:1-2 शैतान, परमेश्वर की उपस्थिति में उसके दाहिने हाथ पर बैठे महायाजक येशू पर आरोप लगा रहा है। संभवतः उत्पत्ति 6:1-2 परमेश्वर के पुत्र, मनुष्यों की पुत्रियाँ। हममें से कुछ लोगों ने इस दिशा में झुकाव किया है कि हम वहाँ केवल अच्छे लोगों के बुरे लोगों के साथ विवाह या किसी बुतपरस्त तानाशाह द्वारा हरम या उस तरह की किसी चीज़ को लेने के बजाय कुछ अलौकिक देख रहे हैं। कई अन्य सुझाव दिए गए हैं।

यहाँ सबसे करीबी बात जकर्याह 3 है, जहाँ परमेश्वर यहोशू, जेशू, महायाजक को शैतान से बचाता है, लेकिन यह शैतान का कब्ज़ा नहीं है। महत्व, तत्काल प्रभाव: दो आदमी शैतान की शक्ति से मुक्त हो जाते हैं। मुख्य व्यक्ति परमेश्वर के कार्य की घोषणा करने के लिए बाहर जाता है।

वैसे, मैं मैथ्यू के अंश और मार्क और ल्यूक के अंशों के बीच के संबंध को इसी तरह समझता हूँ। एक राक्षसी व्यक्ति प्रवक्ता आदि की तुलना में अधिक राक्षसी था, और दूसरा व्यक्ति काफी हद तक पृष्ठभूमि में था। हमारे पास ऐसी 1-2 प्रकार की कई चीज़ें हैं जो सुसमाचारों में बार-बार होती हैं, और हमारे पास समय मशीनें नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें इसी तरह पढ़ूँगा।

गदरेनियों के पास 2,000 सूअर हैं, इसलिए वे यीशु से चले जाने के लिए कहते हैं। यह निश्चित रूप से तत्काल प्रभाव का हिस्सा है। शायद यहाँ उद्धार न्याय विषय है।

मोक्ष के इतिहास में एक स्थान, यहूदियों के मामले में अंतर-नियम अवधि में शैतानी गतिविधि का स्पष्ट रूप से बढ़ना इसका मतलब यह नहीं है कि यह बुतपरस्त मंडलियों में भी बढ़ रहा है। यह हो सकता है कि बुतपरस्त स्तर का कुछ हिस्सा यहाँ यहूदी मंडलियों में घुस रहा है, शायद गैर-यहूदियों के साथ घुलने-मिलने के कारण, संभवतः आने वाले मसीह के साथ संघर्ष के कारण।

यहाँ शैतान की शक्तियों के साथ सीधा टकराव देखने को मिलता है, और इसे यीशु ने निर्णायक रूप से जीत लिया है। क्या यीशु ने क्षेत्र को दुष्टात्माओं से मुक्त करने के लिए सूअरों का इस्तेमाल किया? संभव है। या क्या दुष्टात्माएँ क्षेत्र को यीशु से मुक्त करने के लिए सूअरों का इस्तेमाल करती हैं? मैं निश्चित रूप से नहीं बता सकता।

लेकिन यीशु वापस आ जाता है। हम देखते हैं कि बाद के अंश में, मार्क और मैथ्यू दोनों ही विश्वास करते हैं। यीशु की शक्ति आध्यात्मिक क्षेत्र तक फैली हुई है, न कि केवल प्रकृति और बीमारी तक।

प्रतीकात्मक तत्वों को देखते हुए कि यीशु के चमत्कार अक्सर युग के अंत की ओर इशारा करते हैं, मेरा सुझाव है कि यहाँ हम शैतान की हार और आने वाले न्याय की पूर्वसूचना देखते हैं। मत्ती 8:29 में राक्षसों को टिप्पणी करने के लिए नोट। हे परमेश्वर के पुत्र, तुम हमसे क्या चाहते हो? वे चिल्लाए।

क्या तुम हमें यातना देने के लिए यहाँ आए हो? नियत समय से पहले। अभी भी अंतिम समय का थोड़ा सा संकेत नहीं है, और ऐसा लगता है कि वे इसे जानते हैं और इस बात से नाखुश हैं कि यीशु उन्हें बाहर फेंकने के लिए प्रकट हुए हैं। फिर हम आध्यात्मिक क्षेत्र पर यीशु की शक्ति के दूसरे उदाहरण की ओर मुड़ते हैं, और वह मैथ्यू 15 मार्क 7 में सिरोफोनीशियन की बेटी है। हम इसे मार्क 7:24 और उसके बाद से लेते हैं।

यीशु वहाँ से चला गया और सोर के इलाके में चला गया। वह एक घर में गया, वह नहीं चाहता था कि कोई भी यह जाने, और वह अपनी उपस्थिति को गुप्त नहीं रख सकता था। वास्तव में, जैसे ही उसने उसके बारे में सुना, एक महिला जिसकी छोटी बेटी एक दुष्ट आत्मा से ग्रस्त थी, आई और उसके पैरों पर गिर पड़ी।

वह स्त्री सीरियाई फिनीशिया में जन्मी एक यूनानी थी। उसने यीशु से विनती की कि वह उसकी बेटी से दुष्टात्मा को निकाल दे। यीशु ने उससे कहा कि पहले बच्चों को जितना खाना चाहिए, खाने दो, क्योंकि बच्चों की रोटी लेकर उनके कुत्तों को देना उचित नहीं है।

हाँ, प्रभु, उसने कहा, लेकिन कुत्ते भी मेज के नीचे बच्चों के टुकड़े खाते हैं। फिर उसने उससे कहा कि ऐसे उत्तर के लिए तुम जा सकती हो। राक्षस तुम्हारी बेटी को छोड़कर चला गया है।

वह घर गई और उसने देखा कि उसका बच्चा बिस्तर पर लेटा हुआ था और दुष्टात्मा चला गया था। घटना का इतिहास, यीशु की सेवकाई के अंतिम भाग के दौरान एक अवसर, और अपने शिष्यों के साथ काम करने का उनका विशेष समय। मैथ्यू और मार्क दोनों ने इस घटना को दो अन्य घटनाओं के बीच में रखा।

फरीसी शिष्यों द्वारा हाथ न धोने और 4,000 लोगों को भोजन कराने का विरोध करते हैं। यीशु गलील से उत्तर-पश्चिम की ओर चले गए हैं, संभवतः भीड़ और अपने शत्रुओं से बचने के लिए। मार्क 7. बुतपरस्त महिला उन्हें पहचानती है और दुष्टात्मा से ग्रस्त बेटी की रिहाई चाहती है।

उदारवादी व्याख्याएँ मनोदैहिक हैं। वे वैसे भी राक्षसों में विश्वास नहीं करते। ऐतिहासिकता के साक्ष्य इन अन्य घटनाओं से लगातार जुड़े हुए हैं।

मैथ्यू में महिला को कनानी और मार्क में यूनानी या सिरोफोनीशियन के रूप में संदर्भित करना सुसंगत है। टायर और सिडोन क्षेत्र का मतलब शहर का केंद्र नहीं बल्कि उनके द्वारा नियंत्रित क्षेत्र है। यीशु की रहस्यमय टिप्पणियाँ वास्तव में, विशिष्ट हैं।

वह अक्सर ऐसी बातें कहता है जो उसके शिष्य नहीं समझते, जो उसके विरोधी नहीं समझते, इत्यादि, और वह यहाँ भी कुछ ऐसा ही करता है। राक्षसों पर सामग्री के अलावा इसी तरह के चमत्कार जिनका हमने पहले उल्लेख किया था।

अन्यजातियों के लिए या अन्यजातियों के लिए किए गए चमत्कार। नामान का उपचार और सारफत की विधवा और उसके बेटे को भूख से बचाना, उसके बाद बेटे का पुनरुत्थान। फिरौन के लिए चमत्कार किए गए, विपत्तियाँ और ऐसी ही अन्य घटनाएँ हुईं, साथ ही जेठा की मृत्यु भी हुई।

नबूकदनेस्सर के साथ किए गए चमत्कारों और उसे यह विश्वास दिलाना कि वह एक जंगली जानवर है और कई सालों तक उसी तरह से जी रहा है, के बारे में है। अन्य सामग्री, ठीक है, यहूदी और गैर-यहूदी के बीच का विभाजन पुराने नियम की एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि है, और यह, एक अर्थ में, यहाँ इस पूरी बात में आता है कि यीशु को वास्तव में यहूदियों के पास भेजा गया था, और यहाँ यह गैर-यहूदी महिला उसे अपने लिए चमत्कार करने के लिए कहने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया बहुत प्रभावशाली है। हम कुत्तों के बारे में ओरिएंटल दृष्टिकोण में भी कुछ देखते हैं, जो उच्च नहीं हैं, लेकिन उनके पास अभी भी कुछ पालतू कुत्ते थे, और इसका एक निहितार्थ है, विशेष रूप से यहाँ मैथ्यू मार्ग में।

तत्काल प्रभाव। बिना किसी मौखिक आदेश के भी दूर से ही भूत भगाना। काफी रोचक।

यहाँ आपके एस्सेन और जोसेफस एक विशेष अंगूठी के साथ हैं जिसमें जड़ी-बूटियाँ हैं, और वह आता है और इसे बाहर निकालता है। यह एक शानदार प्रदर्शन था, और हम नहीं जानते कि इसमें कितना रहस्य था और कितना छल-कपट, लेकिन यहाँ यीशु मूल रूप से कहते हैं कि दानव चला गया है, और महिला घर चली जाती है और उसे पता चलता है कि मामला ऐसा ही है। बच्चा पैदा हो जाता है।

बाधाओं का सामना करते हुए महिला का विश्वास। वह आसानी से हार नहीं मानती, और यह एक बाइबिल की बात है: हमें सही चीज़ों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए, लेकिन अगर हमें पूरा यकीन है कि वे सही चीज़ें हैं, तो हमें दृढ़ रहना चाहिए, और महिला यहाँ यही दिखाती है। हमें गैर-यहूदियों के लिए अनुग्रह का विषय मिलता है, और हालाँकि यहाँ लूका का जोर है, यह मैथ्यू और मार्क में इस विशेष मामले में दिखाई देता है जिसमें लूका का कोई समानांतर नहीं है।

उद्धार के इतिहास में स्थान। अन्यजातियों के लिए सुसमाचार का संकेत लेकिन यहूदियों से कुछ संबंध यहाँ इस विशेष मामले में निर्दिष्ट किया गया है। यह शायद यहूदियों के लिए पहले और अन्यजातियों के लिए भी उपयुक्त है, जिसका ज़िक्र पौलुस ने कई बार किया है।

जैसा कि हमने ऊपर उल्लेख किया है, यह सबसे उल्लेखनीय भूत-प्रेत भगाने की क्रिया है, जो कि दूरस्थ है और एक गैर-यहूदी महिला और उसके बच्चे के लिए है। प्रतीकात्मक तत्व। कुत्तों के बारे में महिला का दृष्टांत।

कुत्तों को मेज़ के नीचे के टुकड़े खाने को मिलते हैं, इसलिए गैर-यहूदियों को यीशु की चमत्कारी सेवकाई के टुकड़े खाने को मिलने चाहिए। गैर-यहूदियों के सुसमाचार की भविष्यवाणी मुझे लगता है कि हम यहाँ पर जो देखते हैं उसे हम समग्रता से अलग सिनेकडोक कह सकते हैं। इस महिला को अपनी बेटी के लिए यीशु की करुणा और मुक्ति मिलती है और इसलिए यह एक नमूना है कि यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद क्या बहुत बड़ी बात होगी।

तीसरी शैतानी स्थिति तब होती है जब मत्ती 17, मार्क 9 और ल्यूक 9 में यीशु ने प्रेतग्रस्त लड़के को छुड़ाया। यहाँ ऐसा लगता है कि मार्क में जब वे दूसरे शिष्यों के पास आए, तो वे अभी-अभी रूपांतरण से वापस आए थे, और यह लगभग एक दिन बाद की बात है, इसलिए यीशु और उनके साथ मौजूद तीन लोगों ने दूसरे शिष्यों के इर्द-गिर्द एक बड़ी भीड़ देखी और शिक्षक का नियम उनसे बहस कर रहा था। जैसे ही सभी लोगों ने यीशु को देखा वे आश्चर्य से अभिभूत हो गए और उनका अभिवादन करने के लिए दौड़ पड़े। वह पूछता है कि तुम उनसे किस बारे में बहस कर रहे हो।

भीड़ में से एक व्यक्ति ने उत्तर दिया, "गुरुवर, मैं अपने बेटे को आपके पास लाया हूँ, जिसमें एक आत्मा समायी है, जिसने उसे बोलने से वंचित कर दिया है। जब भी वह उसे पकड़ती है, तो उसे ज़मीन पर पटक देती है। उसके मुँह से झाग निकलता है, वह दाँत पीसता है, और उसका शरीर कठोर हो जाता है।

मैंने तुम्हारे शिष्यों से आत्मा को निकालने के लिए कहा था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। हे अविश्वासी पीढ़ी यीशु ने उत्तर दिया। मैं तुम्हारे साथ कब तक रहूँगा? मैं कब तक तुम्हें सहूँगा? लड़के को मेरे पास लाओ।

इसलिए वे उसे ले आए। जब आत्मा ने यीशु को देखा, तो उसने तुरन्त लड़के को मरोड़ दिया। वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मुँह से झाग निकालते हुए लोटने लगा।

यीशु ने लड़के के पिता से पूछा कि वह कब से ऐसा है। उसने उत्तर दिया कि बचपन से ही उसे कई बार आग या पानी में फेंक दिया गया है ताकि उसे मार दिया जाए। लेकिन अगर आप कुछ कर सकते हैं तो हम पर दया करें और हमारी मदद करें।

अगर आप यीशु कह सकते हैं, तो जो विश्वास करता है उसके लिए सब कुछ संभव है। लड़के के पिता ने तुरंत कहा। मैं विश्वास करता हूँ।

मुझे अपने अविश्वास पर विजय पाने में सहायता करें। जब यीशु ने देखा कि भीड़ घटनास्थल की ओर भाग रही है, तो उसने दुष्ट आत्मा को डांटा। उसने कहा, हे बहरी और गूंगी आत्मा।

मैं तुम्हें आदेश देता हूँ कि तुम उसमें से बाहर निकल जाओ और फिर कभी उसमें प्रवेश मत करना। आत्मा चीखी, उसे हिंसक रूप से मरोड़ा और बाहर निकल गई। लड़का इतना मुर्दा लग रहा था कि कई लोगों ने कहा कि वह मर चुका है।

लेकिन यीशु ने उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया और वह खड़ा हो गया। जब यीशु घर के अंदर गया तो उसके शिष्यों ने उससे अकेले में पूछा कि हम उसे क्यों नहीं निकाल सकते? उसने जवाब दिया कि यह जाति केवल प्रार्थना से ही बाहर आ सकती है। कुछ पांडुलिपियों में उपवास भी जोड़ा गया है।

घटनाओं की ऐतिहासिकता: अवसर क्या है? यह घटना तीनों सुसमाचारों में रूपांतरण से जुड़ी हुई है। पीछे रह गए शिष्य लड़के को ठीक नहीं कर पाए। जाहिर है कि शास्त्री उन्हें इसके लिए परेशान कर रहे हैं।

उदार व्याख्या: लड़का केवल मिर्गी का रोगी है। वास्तव में, कुछ विशेषताएं मिर्गी की हैं। आप यह कह सकते हैं कि भूत-प्रेत का साया व्यक्ति में कुछ ऐसे लक्षण पैदा कर सकता है, जिनके प्रति वह पहले से संवेदनशील हो सकता है या नहीं भी हो सकता है।

ऐतिहासिकता का प्रमाण तीन विवरण, सभी में कुछ अलग-अलग विवरण हैं। पिता का विश्वास एक उल्लेखनीय विवरण है। मार्क 9.24. मैं विश्वास करता हूँ।

मुझे अपने अविश्वास पर विजय पाने में सहायता करें। प्रत्यक्षदर्शियों की प्रतिक्रिया केवल लूका ने उनके आश्चर्य को दर्ज किया है। इसी तरह के चमत्कार ऊपर वर्णित हैं, लेकिन पुराने नियम में शैतानी कब्जे का उल्लेख बहुत कम है।

शाऊल की परेशानियाँ सबसे करीब हैं। 1 शमूएल 16. मानवीय कार्यों में आत्मा का हस्तक्षेप भी परमेश्वर की आत्मा द्वारा शाऊल को रोकने में देखा जाता है।

1 शमूएल 19 तत्काल प्रभाव शैतान ने अपना अंतिम वार किया। मार्क 9.26. लड़का ठीक हो गया। संभवतः पुनर्जीवित भी हो गया।

हर कोई हैरान है। शिष्य अपनी असमर्थता के बारे में हैरान हैं। उद्धार के इतिहास में, शैतानी ताकतें भी यीशु के अधीन हैं।

क्या शिष्यों के लिए परिस्थिति कठिन है? मुझे लगता है कि यीशु की टिप्पणियों का निहितार्थ यह है कि वे वास्तव में विश्वास नहीं करते हैं। इससे हमें चर्च के 2,000 साल के इतिहास पर एक लंबी चर्चा में जाना पड़ा कि आपको कितना विश्वास चाहिए और इस तरह की बातें। यीशु ने पहले ही इस बारे में कुछ टिप्पणियाँ की हैं।

अगर आपके पास थोड़ा सा भी विश्वास है, राई के दाने जितना भी, तो आप महान कार्य कर सकते हैं। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि विश्वास कोई शक्ति है जिसका उपयोग आप कुछ करने के लिए कर सकते हैं, जैसा कि आप आज यहाँ बहुत से बहुत ही दृढ़ पेंटेकोस्टल-प्रकार की चीजों में सुनते हैं, बल्कि यह है कि आपको किस पर विश्वास है। यदि आप वास्तव में ईश्वर पर भरोसा कर रहे हैं, तो ईश्वर आपके लिए कुछ शानदार कार्य करेगा।

वह ब्रह्मांड को चलाने का काम आपको नहीं सौंप रहा है, इसलिए आपको यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि आपकी हर प्रार्थना, किसी को ठीक करने का हर प्रयास जरूरी रूप से काम करेगा, लेकिन वह कुछ शानदार चीजें करेगा। इसलिए हमें वास्तव में उस पर भरोसा करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यही वह चीज है जो हमारे पास है।

विश्वासहीन पीढ़ी का मतलब शायद यह है कि पीढ़ी का अनुवाद कैसे किया जाए, इस पर यहाँ कुछ जटिलता है। अंग्रेजी में, पीढ़ी का मतलब आमतौर पर यह समय अवधि होता है, और इसका मतलब यहाँ भी हो सकता है क्योंकि यह शब्द के अर्थ का हिस्सा है। इसका मतलब विश्वासहीन जाति भी हो सकता है।

इस समय इस्राएली लोग अविश्वासी हो गए हैं, या हो सकता है कि वे आदम के वंशज हों। अगर आप चाहें तो यह सिर्फ मानवीय पाप है, और इससे जुड़ा अविश्वास। इसलिए, इस अंश से यह निश्चित करना थोड़ा मुश्किल होगा कि यीशु क्या कह रहे हैं।

इसमें प्रार्थना का उल्लेख है, और संभवतः उपवास का भी। तो, प्रार्थना, यीशु पर भरोसा, और पिता पर भरोसा। हमें यह नहीं बताया गया है कि शिष्य क्या कर रहे थे, तो क्या वे बस इसका नाम लेने और इसका दावा करने की कोशिश कर रहे थे? यह काम नहीं कर रहा था, और उन्होंने वैसे प्रार्थना नहीं की जैसी उन्हें करनी चाहिए थी। पता नहीं।

सभी पांडुलिपियों में उपवास का अंत नहीं दिखता है, इसलिए हमें यकीन नहीं है कि इस पर कितना जोर दिया जाए, लेकिन जाहिर है, लोगों के उपवास के जवाब में भगवान कुछ चीजें करते हैं, जिसका मतलब है कि वे किसी चीज को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं, इसलिए यह संभव है कि इसे यहां भी शामिल किया जाएगा। प्रतीकात्मक तत्व। क्या इस विशेष स्थिति के लिए यहां कोई युगांतिक संदर्भ है? यह विचार कि भगवान शैतानी गतिविधि को नष्ट करने जा रहे हैं, जो वह निश्चित रूप से युग के अंत में करेंगे।

खैर, यह आत्मिक क्षेत्र में इन चमत्कारों के बारे में हमारी चर्चा है, और मैं यीशु के चमत्कारों के महत्व के बारे में थोड़ा बताकर हमारी पूरी चर्चा को यहीं समाप्त करना चाहता हूँ। पुराने नियम की पृष्ठभूमि। यीशु के चमत्कार पुराने नियम के किसी भी चमत्कार की तरह प्रभावशाली हैं।

केवल मूसा, एलिय्याह और एलीशा के चमत्कार ही इसके करीब आते हैं। यीशु के चमत्कार करने का तरीका आम तौर पर मूसा, एलिय्याह और एलीशा के चमत्कारों से ज़्यादा सीधा लगता है। मूसा के पास लाठी है, उसके पास हाथ है, वगैरह।

यीशु आम तौर पर, कई मामलों में, बिना कुछ कहे ही कुछ चमत्कार कर देते हैं। उदाहरण के लिए, उस शाही अधिकारी के बारे में सोचें जिसे वह अपने बेटे के पास घर भेजता है और उससे कहता है कि वह जीवित रहे, लेकिन वह यह नहीं कहता, हे प्रभु, कृपया हमें जीवित रहने के लिए परमेश्वर के पास बुलाएँ या ऐसा कुछ। आपने देखा होगा कि एलिय्याह और एलीशा इन शवों पर लेट गए और उनमें साँस ली, आदि।

यीशु ने नाईन की विधवा के बेटे को छुआ। यह स्पष्ट नहीं है कि उसने लाज़र या याईर की बेटी को भी छुआ या नहीं, लेकिन वह उनसे बात करता है, आदि। सामान्य तौर पर, चमत्कार करने के यीशु के तरीके मूसा, एलिय्याह और एलीशा के तरीकों से ज़्यादा प्रत्यक्ष लगते हैं।

एलिजा पहाड़ पर चढ़ जाता है और बारिश के लिए भगवान से प्रार्थना करता है और अपने सेवक को भेज देता है और वापस आता है और फिर से बाहर जाता है और वापस आता है, आदि। यीशु कहते हैं चुप रहो, शांत रहो, और हवा और लहरें रुक जाती हैं। मुझे लगता है कि उस दिशा में यह काफी प्रभावशाली है।

हम अक्सर सृष्टि के बारे में पीछे देखते हुए यीशु के चमत्कारों के साथ सृष्टि के साथ संबंध देखते हैं। जाहिर है कि हम पानी को शराब में बदलने के संबंध में सृष्टि को देखते हैं, पदार्थ की मात्रा को नहीं बदलते हैं, लेकिन निश्चित रूप से पदार्थ के चरित्र को बदलते हैं। सीएस लुईस ने अपनी पुस्तक, चमत्कार में बताया है कि पानी को शराब में बदलने में यीशु जो करते हैं, वही भगवान हर साल करते हैं, लेकिन भगवान इसे एक धीमी प्रक्रिया के माध्यम से करते हैं जिसमें अगर आप चाहें तो पूरा एक मौसम लग जाता है, और यीशु इसे, कौन जानता है, कुछ सेकंड, कुछ मिनट, या कुछ इसी तरह से करते हैं।

लेकिन हम इसे होते हुए देखने के लिए वहां मौजूद नहीं थे। रोटियों और मछलियों की संख्या बढ़ाना, एक ही तरह की बात है। निश्चित रूप से सामग्री की मात्रा में वृद्धि हुई है, हालांकि अगर आप चाहें तो इसकी प्रकृति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

स्पष्ट रूप से पुनर्निर्माण, मिट्टी के उपयोग से अंधे व्यक्ति को ठीक करना, मैंने सुझाव दिया कि शायद उसकी दृष्टि का पुनर्निर्माण किया गया हो। हम ठीक से नहीं जानते कि उसके अंधेपन ने किस रूप में क्या गलत किया था। उत्पत्ति 2:7 की तुलना करें, प्रभु परमेश्वर ने मनुष्य को भूमि की मिट्टी से बनाया और उसके नथुनों में जीवन की सांस फूँकी, और मनुष्य एक जीवित प्राणी बन गया।

और वहाँ शब्द, एनआईवी, गठित, यह यत्सर है, वह सजातीय संज्ञा कुम्हार है, इसलिए ढाला, हम कह सकते हैं, इसके करीब होगा। पुनरुत्थान, कुछ अर्थों में स्पष्ट पुनर्निर्माण भी। मोचन या परलोक विद्या के साथ संबंध यीशु के चमत्कारों की एक विशिष्ट विशेषता है।

अंधे, लंगड़े और बहरे को चंगा करना, जैसा कि विभिन्न युगांतशास्त्रीय अंशों में बताया गया है। यहाँ से एक को चुनें, यशायाह 35:4। डरपोक दिल वालों से कहो, दृढ़ रहो, डरो मत, तुम्हारा परमेश्वर आएगा।

वह प्रतिशोध लेकर आएगा, ईश्वरीय प्रतिशोध लेकर आएगा, वह तुम्हें बचाने आएगा। तब अंधों की आंखें खुलेंगी और बहरों के कान खुलेंगे। तब लंगड़े हिरण की तरह उछलेंगे और गूंगी जीभ खुशी से चिल्लाएगी।

जंगल में पानी और रेगिस्तान में नदियाँ बहेंगी। पुनरुत्थान अंत समय की एक मुख्य विशेषता है। दानियेल 12:1, उस समय महान राजकुमार मीकाएल जो आपके लोगों की रक्षा करता है, उठेगा।

ऐसा संकट का समय आएगा जैसा राष्ट्रों के आरम्भ से लेकर अब तक कभी नहीं हुआ। परन्तु उस समय तेरे लोग, अर्थात् जितने नाम पुस्तक में लिखे हुए हैं, उन सभी को छुड़ाया जाएगा। बहुत से लोग जो भूमि की मिट्टी में सोए हुए हैं, वे जाग उठेंगे, कुछ तो अनन्त जीवन के लिये, और कुछ लोग लज्जा और सदा तक घिनौने ठहरने के लिये।

जो लोग बुद्धिमान हैं वे आकाश की चमक की तरह चमकेंगे, और जो लोग बहुतों को धार्मिकता की ओर ले जाते हैं वे हमेशा-हमेशा के लिए सितारों की तरह चमकेंगे। पुनरुत्थान अंत समय की एक मुख्य विशेषता है। सृष्टि और छुटकारे के साथ संबंध।

यह देखा गया है कि यीशु के चमत्कार वास्तविक और आश्चर्यजनक हैं, फिर भी वे अस्थायी हैं। वह केवल कुछ लोगों को ठीक करता है, सभी को नहीं। यहाँ कुछ संदर्भ दिए गए हैं।

सबसे स्पष्ट रूप से, वह नासरत में बहुत से लोगों को ठीक नहीं कर सका क्योंकि उनमें विश्वास की कमी थी। और फिर, निहितार्थ से, बेथेस्टा के कुंड पर चंगाई, जहाँ हमें बताया गया है कि लोगों की भीड़ लगी हुई थी। और फिर भी, केवल यह एक आदमी ठीक हो गया।

वह केवल कुछ मृतकों को ही जीवित करता है, सभी को नहीं। मैंने प्रचार करते हुए कई पादरियों को यह कहते सुना है कि जब लाजर ने यह कहा तो वह कम सामने आया। अगर वह इसे बहुत सामान्य बना देता, तो हर कोई सामने आ जाता।

मेरा अनुमान है, लेकिन कम से कम इस विचार के लिए कुछ बाइबिल वारंट है कि उसने केवल कुछ मृतकों को ही जीवित किया, सभी को नहीं। यह अच्छा है। यह यीशु की सीमाओं का संकेत नहीं है, बल्कि परमेश्वर की समय-सारणी का संकेत है।

यह पहले से ही है, लेकिन अभी तक नहीं। यीशु के चमत्कार आने वाली चीज़ों का पूर्वानुभव हैं। और जब वह वापस आएगा, तो मुझे माफ़ करें, यह आने वाली चीज़ों का पूर्वानुभव है।

जिस तरह प्रभु का भोज मसीहाई भोज का केवल एक पूर्वानुभव है, उसी तरह यीशु पापों को क्षमा करने में सक्षम होने का दावा करते हैं, और वे एक दृश्यमान चमत्कार द्वारा इसका समर्थन करते हैं। वे खुद को हवा और मौसम, बीमारी और मृत्यु, मछली और जानवरों, और यहाँ तक कि अलौकिक आत्मिक प्राणियों का स्वामी बताते हैं।

हालाँकि इन वार्तालापों की विशेषता यह नहीं है, लेकिन वह खुद को यह जानता है कि भविष्य में क्या होने वाला है। खैर, यह चमत्कारों और यीशु के चमत्कारों के बारे में हमारा दौरा है। चमत्कारों के बारे में निश्चित रूप से और भी बहुत कुछ कहा जा सकता था।

मैंने 20वीं सदी के पूरे करिश्माई विवाद के साथ कुछ नहीं किया, बल्कि मध्ययुगीन काल से लेकर मध्ययुगीन काल तक के बारे में ही बात की। निश्चित रूप से, यीशु के चमत्कारों के बारे में और भी बहुत कुछ कहा जा सकता था। हमने उनमें से केवल कुछ चुनिंदा चमत्कारों को देखा और वास्तव में उस चयन का एक हिस्सा उन चमत्कारों को करके किया गया था जिन पर मैंने पहले से पावरपॉइंट नहीं किए थे।

लेकिन मुझे उम्मीद है कि इससे आपको ईसाई धर्म में चमत्कारों के महत्व और चमत्कारों के खिलाफ़ तर्कों की कमज़ोरी का एहसास होगा, जो हम आम तौर पर धर्मनिरपेक्ष हलकों में देखते हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और प्रभु आपको आशीर्वाद दें क्योंकि आप उसे जानने की कोशिश कर रहे हैं। खैर, हम यहाँ हैं।

धन्यवाद। आपके समय के लिए धन्यवाद।